>

Title: The Speaker observed that Private Members' Resolution may be taken up and before that matters of urgent public importance may be taken up

माननीयअध्यक्ष :एकमिनटमेरीपूरीबाततोसुनिए ।सदनफ्लोरलीडर्सनेजोतयकियाहै, यहसदनउनसेअपेक्षाकरेगाकिवेउतनाहीवक्तव्यपढ़ें, जितनासदननेसर्वदलीयसभामेंतयकियाहै ।

दूसरा, मेरानिवेदनहैकिसदनकीउनमाननीयसदस्याकेआनेतकमैंदोविषयोंपरआपसेचर्चाकरनाचाहताहूँ ।नंबरएक, आजशून्यकालमेंमैंनेकईमाननीयसदस्योंकोआग्रहकियाथाकिमैंशून्यकालमेंउनकोबोलनेकाअवसरदूंगा । आजचूंकिप्राइवेटमैंबर्सबिलकाभीसमयहै ।इसलिएमेराइतनासाआग्रहहैकिअगरसदनकीइसबातमेंसहमतिहोतोचार-साढ़ेचारबजेतकजीरोऑवरचलादें? सदनसहमतहोतोफिरप्राइवेटमैंबर्सबिलडेढ़घंटेकेलिएआगेलेलेंगे, क्योंकिउसपरलंबीडिबेटपहलेहोचुकीहै ।क्यासदनइसबातसेसहमतहै?

अनेकमाननीयसदस्य:जीहाँमहोदय ।

माननीयअध्यक्ष:सबकीसहमतिहैतोसाढ़ेचारबजेतकशून्यकालचलाएंगेऔरसाढ़ेचारबजेकेबादप्राइवेटमैंबर्सबिललेंगे । मैंसदनमेंसबकोआश्वस्तकरताहूँकियहसदनसबकीसहमतिसेचलताहै ।सभीदलोंकेलोगभीचाहतेहैंकिसदनचले, स्मूथलीचले, व्यवस्थितचले ।सभीदलोंकीसहमतिथीकिकभीभीसंसदकेबाहरवालेवक्तव्योंकेबारेमेंचर्चायहांपरनहींहोगी । क्याआपसबसहमतहैंनइसबातपर?

…(व्यवधान)

श्रीअधीररंजनचौधरी (बहरामपुर):सर, आजतोशुक्रवारहै ।यहप्राइवेटमैंबर्सबिलकादिनहै । साढ़ेतीनबजेसेप्राइवेटमैंबर्सबिलहोताहै ।यहहमारेयहांकारीति-रिवाजहै ।लेकिनआजजोपीएमबीकामुद्दाहै – केनबेतवारिवरलिंकिंगका, उसपरबहुतभारीचर्चायहांपरहोचुकीहै ।आपअगरचाहें, जीरोऑवरमेंशामिलहोनेकेलिएहमारेकाफीसदस्यहैं, उनकीसुविधाकेलिएआपअगरचाहेंतोआधाघंटाया 45 मिनटप्राइवेटमैंबर्सबिलसेहटालियाजाए ।इसमेंहमेंकोईआपत्तिनहींहै, क्योंकिइसपरलंबीबहसहोचुकीहै ।

माननीयअध्यक्ष: महताबजी, बोलिए ।

…(व्यवधान)

माननीयअध्यक्ष:एकमिनट, वेआरहीहैं, तबतकमहताबजीइसीविषयपरबोललें ।

श्रीभर्तृहरिमहताब (कटक):अध्यक्षजी, आपनेएकव्यवस्थाहाउसकेसेंसकेलिएरखीहै ।मैंउससेसहमतनहींहूँ । यहमैंनम्रताकेसाथबोलताहूँ ।प्राइवेटमैंबरबिलइंडिवीजुअलमैंबरकाबिलहोताहैयाबिज़नसहोताहै ।आजकेदिनहीनहीं, हरवक्तमैंनेपिछलेतीन–14वीं, 15वींऔर 16वींलोकसभासत्रमेंदेखाहैकिहरबारप्राइवेटमैम्बरबिजनेसकीकैजुअलिटीहोतीहै । यूपीएगवर्नमेंटमेंभीयहीहुआथाऔरएनडीएगवर्नमेंटमेंभीवहीहोरहाहै । आजआपएकरायलेरहेहैंऔरज़ीरोअवरकेलिएरूल्सकमेटीमें, जिसकेआपअध्यक्षहैं, उसमेंएकदिनरखदीजिए, उसीदिनसाराज़ीरोअवरकरलीजिए, चाहेवहफ्राइडेक्योंनहोऔरहमाराप्राइवेटमैम्बरबिजनेसवीरवारकोलेलीजिए । मिडऑफदवीकजैसेब्रिटिशपार्लियामेंटमेंहोताहै, ब्रिटिशपार्लियामेंटमेंप्राइवेटमैम्बरबिजनेसवीरवारकोहोताहै, उसीहिसाबसेहमारेयहाँप्राइवेटमैम्बरबिजनेसफ्राइडेमेंनरखकरवीरवारकोरखिएऔरज़ीरोअवरआफ्टरलंचपूरा 6 बजेतकचलायाजाए ।

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Sir, I fully endorse the views expressed by Mahtab Ji. Now-a-days a debate is going outside the House whether the Private Members' Business is needed or not.

That discussion is going on. Most of the media people have contacted me last time when I had introduced three Bills. What is the scope of these Bills? The Private Members' Business should be given much more importance and significance. It is having its own impact. From my own experience, I am telling here and also the hon. Minister of Parliamentary Affairs may be well aware that on moving a Resolution on the EPF pension, 6.5 lakh pensioners were benefitted. It was only on the basis of a Resolution moved in the House. So, it is having its own impact. Sometimes, we have to cut short the Private Members' Business. But it should be only due to unavoidable circumstances that the time of the Private Members' Business be cut down. Otherwise, that should be kept intact. The time from 3.30 p.m. to 6 p.m. should be confined for the purpose of the Private Members' Business, unless some extraordinary situation demands. Otherwise, please do not cut down the time of the Private Members' Business. That is the humble submission which I would like to make.

Also, I fully support the suggestion that let it be on Wednesday. Most of the Members and even the Prime Minister will be here and it will be having its own importance, if it is on Wednesday.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: Sir, the Private Members' Business has a special position in the House. The Members, no doubt, wait for the Private Members' Business but the maximum of us will leave for our own constituencies. Today I am here because my flight is late by three hours. जैसेफ्राइडेकोप्राइवेटमैम्बरबिलकीजरूरतहोतीहै, वैसेहीमैम्बर्सकोघरवापसजानेकीजरूरतहोतीहै । So, as Shri Bhartruhari Mahtab rightly said, if it can be brought on Wednesday, it is better. Sir, you are on way to making history in Parliament. Take such a step so that the Private Members' Business is shifted to Wednesday. फ्राइडेकोज़ीरोअवरजितनाचाहे, जिसकोअपनीकॉन्स्टीट्यूएंसीमेंजानेकीजरूरतनहींहै, वेसबयहाँबैठेंगे । So, I do not oppose the suggestion proposed by Shri Bhartruhari Mahtab.

श्रीविनोदकुमारसोनकर (कौशाम्बी):अध्यक्षमहोदय, निश्चितरूपसेएकसांसदकेनातेप्राइवेटमैम्बरबिलकापूरेसप्ताहइंतजाररहताहै । प्राइवेटमैम्बरबिलकेलिएदोसप्ताहकासमयलगताहै ।उसकापूराइंतजाररहताहैऔरइसमेंधीरे-धीरेसांसदोंकीरुचिभीबहुतबढ़ीहै ।मेराभीआग्रहहैकिभर्तृहरिमहताबजीप्राइवेटमैम्बरबिलकेबारेमेंजोबातकहरहेहैं, वहसांसदोंकाअपनाएकतरहकासमयकाउपयोगहै, उनकाअधिकारहै ।उसमेंकटौतीनकीजाए । वैसेभीआपकेनेतृत्वमेंज़ीरोअवरखूबचलाहैऔरअगरकोईआवश्यकतापड़तीहैतोकिसीविशेषदिनज़ीरोअवरकोपूरेदिनलेलियाज ।लेकिनयहप्राइवेटमैम्बरबिलयाप्राइवेटसांसदोंकोजोअधिकारहैयाअवसरहै, वहकमनकियाजाए ।यहमेराआपसेआग्रहहै ।

अध्यक्षमहोदय :श्रीराजीवरंजन ।सदनकासेंसलेरहेहैं, उसकेबादव्यवस्थादेदेंगे ।

श्रीराजीवरंजनउर्फललनसिंह (मुंगेर):अध्यक्षमहोदय, महताबजीनेजोबातरखीहै, वहबहुतवाजिबबातहै । सदस्योंकासमययातोक्वेश्चनअवरहैयाफिरप्राइवेटमैम्बर्सडेहै ।सदस्योंकेलिएयहीदोसमयहैं, बाकीतोसरकारकाबिजनेसहोताहै ।पार्टीकाभीबिजनेसहोताहैऔरसरकारकाभीबिजनेसहोताहै । अबप्राइवेटमैम्बर्सबिलकेलिएमैम्बर्सबहुतमेहनतकरतेहैं ।बिलकोड्राफ्टकरतेहैं ।उनकाबिललॉटरीमेंआताहै, बिलइंट्रोड्यूसहोताहै ।बिलपरचर्चाहोतीहै, उसकीचर्चाकेलिएवहतैयारीकरतेहैं ।महताबजीनेजोकहाहै, वहबहुतसहीहै । वैसेभीशुक्रवारकोबहुतलोगोंकोजानेकीहड़बड़ीरहतीहै ।हमइससेसहमतहैंकिबुधवारकीजिए, बृहस्पतिवारकीजिए, लेकिनवीकडेजमेंउसेआपकरदीजिए ।यहभीसदस्योंकेहितमेंआपकेद्वाराउठायागयाएकबहुतबड़ाकदमहोगा ।

श्रीअधीररंजनचौधरी:महोदय, आपनेकहाकिआजआधाघंटा, 45 मिनटप्राइवेटमेंबरबिलसेकटौतीकरकेजीरोऑवरकोलेनाहैयाऐसीआपनेइच्छाजताईहै ।केन-बेतवामुद्देपरआजचर्चाहोनीहै, उसपरबहुतसारीचर्चाहुईहै ।अगरप्राइवेटमेंबरबिलकेसमयमेंकोईकटौतीहोतीहै, तोजितनीकटौतीआपकररहेहैं, छ:

बजेकेबादउसेकाम्पन्सेटकरदीजिए ।यहएकचीजहै ।आपनेआधाघंटाइधरसेलिया, तोआधाघंटाउधरदेदीजिए ।आपसाढ़ेछ: बजेतकप्राइवेटमेंबरबिलकासमयकरदीजिए ।

माननीयअध्यक्ष :आपभीइसविषयपरअपनीकुछटिप्पणीकीजिए ।आजसंजयजीकाजन्मदिनभीहै ।

…(व्यवधान)

डॉ. संजयजायसवाल (पश्चिमचम्पारण):महोदय, आपकाबहुत-बहुतधन्यवाद । मुझेभीलगताहैकिप्राइवेटमेंबरबिलहमारेमाननीयसदस्योंकाअधिकारहैऔरयहदोहफ्तेमेंएकबारपड़ताहै, इसलिएइसकोचलानाचाहिए ।हमलोगभीलाटरीकाइंतजारकरतेरहतेहैं, सौभाग्यसेकिसी-किसीकीलाटरीनिकलतीहैऔरउसकोउसविषयपरचर्चाकरनेकामौकामिलताहै । मेराभीआपसेअनुरोधरहेगाकिप्राइवेटमेंबरबिलपूराचलनेदियाजाए ।

श्रीहनुमानबेनीवाल (नागौर):महोदय, मेराइतनाहीनिवेदनहैकिप्राइवेटमेंबरबिलकाजोमेंबर्सकाअधिकारहै, वहतोआपपूराकरवातेहीहैं, लेकिनजीरोऑवरकेअंदरआपने 5-6 लोगोंकोबुलवादियाहै ।लाटरीकेअंदर 20 लोगोंकेनामआएहैं ।दो-दोमिनटकेअंदरसभीलोगअपनीबातरखलेंगे, इसमेंकोईज्यादासमयनहींजाएगा ।अभीपौनेतीनबजेहैं, साढ़ेतीनबजेआपप्राइवेटमेंबरबिललेलेना ।साहब, हमारीबहुतमुश्किलसेलाटरीखुलतीहै ।आजआपइतनाकीजिए । हमसभीलोगोंनेसम्मिलितरूपसेसदनचलनेदियाहै, आजइन्होंनेडिस्टर्बकिया, फिरभीआपजीरोऑवरमेंबचेहुएलोगोंकोमौकादेदीजिए ।आपजीरोऑवरपहलेकरादीजिए ।आपछ: लोगोंकोजीरोऑवरमेंबुलवाचुकेहैं ।

माननीयअध्यक्ष :कनिमोझीजी, आपभीइसपरअपनेविचाररखदीजिए ।सभीदलोंकेलोगोंकेविचारआजाएंगे ।

SHRIMATI KANIMOZHIKARUNANIDHI (THOOTHUKKUDI): Sir, from personal experience I know how difficult it is to get an opportunity to bring in a Bill as a Private Members Bill. I think that importance of the Private Members Bill should not be compromised for anything.

We should give it importance and we should allow the Members to discuss these Bills completely because this is the only time a Member, as a private person, is allowed to express his point of view. I think that we should not compromise on it.

SHRI RAGHU RAMA KRISHNA RAJU (NARSAPURAM): Sir, as Mahtab ji has said and everyone is of the same opinion that Private Members Bill should be given the priority. I also request to shift it to Wednesday as everybody is in a mood to leave on Friday. This is a very important time when private Members can express their individual opinion. My hon. friend has rightly said that all the days we participate in the Government business and have only a few hours to discuss Private Members Bills. So, I request you to kindly look into it.

Sir, I also have a small request to make in respect of lottery system for Members to speak in Zero Hour. As hon. Speaker is kind enough and gives two minutes to each Member to speak, we are left with 20 more minutes. If the number of lotteries is enhanced from 20 to 30 as many hon. Members are very anxious to

participate in it, 10 more Members would be accommodated in the ballot. I humbly request the hon. Speaker to consider it, if possible. Thank you, Sir.

श्रीश्यामसिंहयादव (जौनपुर):महोदय, लाटरी/बैलेटकेमामलेमेंमेराबहुतहीबैडलकहै ।मैंकहींभीरहताहूँ, छ: बजेसेपहलेआकरबहुतनिष्ठापूर्वकनोटिसडालताहूँ ।आजजिन्दगीमेंपहलीबारमेराजीरोऑवरकीलिस्टमेंनामआयाहै । अन्यनयेमाननीयसदस्योंकेमुकाबलेहमबहुतअनफॉर्चुनेटहैं ।मैंआजहीलोगोंसेपूछरहाथा, कईलोगोंनेअभीतकजीरोऑवरमेंआठ-आठ, दस-दसबारबोलाहै । मैंआजतकअपनेजनपदकीसमस्याएंउठानेकेलिएजीरोऑवरमेंनहींबोलपायाहूँ । बहुतमुश्किलसेआजमेराजीरोऑवरकीलाटरीमेंनामआयाहै ।पीएनओमेंजहाँनोटिसदियाजाताहै, मैंबहुतभगवानकोमानकरनिष्ठापूर्वकनोटिसदेताहूँ, तोआजमेरालाटरीमेंनामनिकलाहै ।आजजीरोऑवरकोकाटानजाए, अगरकाटाजाएतोइसकेबदलेमुझेदो-चारमौकेदिएजाएं ।मेरायहीकहनाहै ।

श्रीअनुभवमोहंती (केन्द्रपाड़ा): सर, मेराभीकुछऐसाहीहालहै ।पिछलेदोहफ्तेसेरोजमैंलॉटरीकेलिएट्राईकररहाहूं, परमेरानामज़ीरोआवरमेंनहींआपाया ।मैंपरसोंमौजूदथा, कलभीथाऔरकलआपनेकहाथाकिकलजो-जोमौजूदथे, जिन्हेंज़ीरोआवरमेंमौकानहींमिला, उन्हेंआपमौकादेंगे and you have been very much liberal in giving chances to Members to participate in the 'Zero Hour'.

इसकेसाथही, मेरेकुलीगऔरसीनियरमहताबजीनेप्राइवेटमेम्बर्सबिलकेबारेमेंजोसजेशनदिया, I strongly support that क्योंकिप्राइवेटमेम्बर्सबिलकेलिएमेम्बर्सबहुतप्रिपेयरहोकरआतेहैं ।वहभीलॉटरीसेहीतयहोताहै । इसलिएदोनोंहीहमारेलिएबहुतजरूरीहैं ।अगरआपकीइजाजतहोतोकेवल 20 या 30 नहीं, बल्किजोमेम्बर्सकलज़ीरोआवरमेंबोलनेकेलिएबैठेहुएथेयापरसोंबोलनेकेलिएबैठेहुएथे, उनमेंसेमैंभीएकहूंतोमुझेभीज़ीरोआवरमेंबोलनेकामौकादियाजाए ।प्लीज, सर ।

श्रीगौरवगोगोई (कलियाबोर):अध्यक्षमहोदय, धन्यवाद । मैंप्रेमचन्द्रनजीसेसहमतहूंकिआजलोगोंकेबीचयहएकप्रश्नआरहाहैकियहजोप्राइवेटमेम्बर्सबिलहै, इसकाउद्देश्यक्याहै, क्योंकिबार-बारबिल्सइंट्रोड्यूसतोहोतेहैं, लेकिनबहुत-सेकमबिल्सचर्चाकेलिएआतेहैंऔरउनसेभीबहुतकमबिल्सकोसरकारद्वारास्वीकृतकियाजाताहै । हमारेइतिहासमेंशायददसयाग्यारहहीप्राइवेटमेम्बर्सबिल्सऐसेहोंगे, जिन्हेंसरकारनेस्वीकृतकियाहै । इसेबुधवारकोलाकरइसपरजरूरध्यानऔरसमयदेनाचाहिए ।हमेंयहभीध्यानरखनाचाहिए, ताकिलोगोंकाविश्वासलोकतंत्रमेंऔरपार्लियामेंटकेनियमोंमेंबनारहे ।इसकेलिएप्राइवेटमेम्बर्सकेऔरबिल्सचर्चाकेलिएआएं, इसकेलिएभीप्रयत्नकरनेचाहिए ।

ऐसेबिल्स, जिनकेकारणदेशमेंउन्नतिऔरदेशकीप्रगतिहोसकतीहै, उन्हेंस्वीकृतकरनाचाहिए । मैंनेभीइससत्रमेंवायुप्रदूषणपरएकप्राइवेटमेम्बर्सबिलडालाहै ।मैंउसकेइंट्रोडक्शनकीप्रतीक्षाकररहाहूं । आशाकरताहूंकिअगलेहफ्तेउसेइंट्रोड्यूसकरनेकामुझेमौकामिले ।धन्यवाद ।

माननीयअध्यक्ष:डॉ. सत्यपालजीकोजन्मदिनकीशुभकामनाएँ ।

मैंसभीकोसुबहमेंहीशुभकामनाएँदेदेताहूं ।

डॉ. सत्यपालसिंह (बागपत):आदरणीयअध्यक्षमहोदय, सर्वप्रथम, आपनेमेरेजन्मदिवसपरअपनाजोआशीर्वाददियाऔरजोशुभकामनाएँदीं,

इसकेलिएमैंआपकेप्रतिअत्यन्तआभारव्यक्तकरताहूं । इससदनकेसभीसम्माननीयसदस्योंकाभीआभारव्यक्तकरताहूंऔरसबकोधन्यवाददेताहूं ।

आदरणीयअध्यक्षमहोदय, इससदनमेंमैंदूसरीबारचुनागया ।पिछलेसेशनमें, यहजोलॉटरीकासिस्टमहैतोमैंनेबहुतबारअपनानामदियाथा, परलॉटरीमेंवहनिकलीनहीं । मैंनेएकबारशून्यकालमेंयहमामलाउठायाकिक्यायहदेशलॉटरीसेचलेगायामेरिटसेचलेगा, इसेतयकरनाचाहिए । क्याहमयहतयकरसकतेहैंकि 50 प्रतिशतविषय, जोमहत्वपूर्णविषयहैं, उनपरहमचर्चाकरेंगे? मैंइसबातकोबड़ेदु:खकेसाथकहताहूंकिदेशकेलिएकुछऐसेगम्भीरविषयहैं ।उदाहरणकेलिए, इसदेशमेंकैसीशिक्षानीतिहोनीचाहिए, इसदेशसेआतंकवादकैसेखत्महोगा, इसदेशसेनक्सलवादकैसेखत्महोगा, इनविषयोंमेंजोमहत्वपूर्णविषयहैं, इन्हेंलॉटरीमेंनरखाजाए, बल्किइनपरगम्भीरचर्चाकीजाए ।इसकेअलावा, लगभग 50 प्रतिशतलोगोंकोशून्यकालमेंअपनेविषयकोरखनेकामौकादियाजाए ।लेकिन, केवललॉटरीकेआधारपरयहांबोलाजाएगातोमुझेलगताहैकिएकतरफतोहमइसदेशकोमेरिटकेआधारपरआगेलेजानाचाहतेहैं ।इसपरभीहमलोगोंकोनिर्णयलेनाचाहिए ।

बहुत-बहुतधन्यवाद ।

माननीयअध्यक्ष:माननीयसदस्यगण, सदनकाबहुमतइसबातकाबनरहाहै, लेकिनअगरआपकीपरमिशनहोतोआजशून्यकालकोचारबजेतकचलायाजाए?

श्रीअधीररंजनचौधरी:सर, मैंनेकलभीआपकोकहाथाकिआपकेहाथमेंसबकुछहै । साढ़ेतीनबजेप्राइवेटमेम्बर्सबिल्सकासमयहै, जोकिहमाराअधिकारभीहै ।

माननीयअध्यक्ष:अगरछ: बजेतकमाननीयसदस्यउपस्थितरहेंगेतोसाढ़ेछ: बजेतकइसेकरेंगे ।

श्रीअधीररंजनचौधरी :सर, आपनेकभीनहींयहकहा, आपपहलीबारयहकहरहेहैंकियहांसेआधेघंटेकेसमयकीकटौतीकरनाचाहतेहैं । कुर्सीसेजबकुछकहाजाताहैतोहमेंभीउसेमान्यतादेनीपड़तीहै ।

सर, इसकेसाथ-साथमैंयहभीगुजारिशकरूंगाकिआपइधरसेआधेघंटेकीकटौतीकरदेंगेतोआपउधरसेइसकीभरपाईभीकरसकतेहैंक्योंकिसदन ।

माननीयअध्यक्ष:ठीकहै ।

यहमतबनगयाहै, आजमैंनेव्यवस्थादेदीहैतोहमारेसदनकेफ्लोरनेतानेकहाकिआजजोव्यवस्थादेदीहै, उसेरेगुलरकरिए ।

सदनकामतहैकिप्राइवेटमेम्बर्सबिलकेसमयदूसराबिजनेसकभीनहींलियाजाएगा ।क्यायहीमतहैन?

अनेकमाननीयसदस्य:जी, हाँ ।

14.55 hrs

SUBMISSION BY MEMBERS-Contd..

Re:Remarks made by a Member in the House glorifying the assassin of the Father of the Nation

-

माननीयअध्यक्ष:माननीयसांसदप्रज्ञासिंहजी ।

साध्वीप्रज्ञासिंहठाकुर (भोपाल):अध्यक्षमहोदय, मैंनेदुश्मनोंकेद्वारादिएगएबहुतसारेअत्याचारसहनकिए ।...(व्यवधान)

माननीयअध्यक्ष:माननीयसदस्य ।

...(व्यवधान)

साध्वीप्रज्ञासिंहठाकुर:महोदय, मैंअपनीबाततोकहसकतीहूं ।...(व्यवधान) मेरीपुरानीबातभीअधूरीरहगईथी ।... (व्यवधान) महोदय, मैंजोकहनाचाहतीहूं, उसकोसुनिए ।...(व्यवधान)

माननीयअध्यक्ष:माननीयसदस्य, मैंआपकोव्यवस्थादेरहाहूं ।

...(व्यवधान)

साध्वीप्रज्ञासिंहठाकुर:महोदय, मैंदेशकेलिएजोकरतीहूं, बसउतनाहीकहनाचाहतीहूं ।मैंने 27.11.2019 कोएस.पी.जी. बिलकीचर्चाकेदौराननाथूरामगोडसेकोदेशभक्तनहींकहा ।मैंनेनामहीनहींलिया, फिरभीकिसीकोठेसपहुंचतीहो, तोमैंखेदप्रकटकरतेहुएक्षमाचाहतीहूं ।

माननीयअध्यक्ष:ठीकहै ।